ब्रह्म ज्ञानसागर

जीवन-परिचय : ब्रह्म ज्ञानसागर श्रीभूषण के प्रधान शिष्य हैं। इनके सम्बन्ध में ज्यादा कुछ ज्ञात नहीं है।

ब्रह्म ज्ञानसागर का समय विक्रम संवत् की 17वीं शती है।

रचना-परिचय : इनके द्वारा रचित निम्नलिखित रचनाएँ प्राप्त हैं—

हिन्दी-रचनाएँ :

1. अक्षरबावनी, 2. नेमिधर्मोपदेश, 3. जिनचौबीसी, 4. द्वादशी कथा, 5. दशलक्षणकथा, 6. राखीबन्धनरास, 7. पल्लवीविधानकथा, 8. निःशल्याष्टमीकथा, 9. श्रुतस्कन्धकथा, 10. मौनएकादशीकथा।

संस्कृत-रचनाएँ :

1. नेमिनाथपूजा, 2. गोम्मटदेवपूजा, 3. पार्श्वनाथपूजा।